



DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी सुंवर

संक्षिप्त खबरे

कांग्रेस के राजनीतिक मॉडल से देश का नुकसान- चंद्रशेखर

अनूपपुर, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कांग्रेस के राजनीतिक तौर तरीके पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस ने प्रारंभ से ही जिस राजनीतिक मॉडल पर काम किया, उससे देश को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने शुक्रवार को अनूपपुर जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित जिला बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने अपने राजनीतिक तौर-तरीकों से देश को नुकसान पहुंचाया है और आज आंदोलनों की आड़ लेकर देश में अराजकता की नींव रखने का प्रयास कर रही है। लोकतंत्र बचाने के नाम पर संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल खड़े करना और देश के माहौल को खराब करना कांग्रेस सहित पूरे विपक्ष की राजनीति का हिस्सा बन गया है। भाजपा 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के माध्यम से कांग्रेस की नीतियों और उसकी अराजक राजनीति को जनता के सामने उजागर करेगी। चंद्रशेखर ने कांग्रेस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस ने प्रारंभ से ही जिस राजनीतिक मॉडल पर काम किया, उससे देश को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। कांग्रेस की नीतियों ने समाज में विभिन्न प्रकार के भेदभाव को बढ़ावा दिया, जबकि भाजपा ने समय-समय पर आंदोलनों और जनजागरण के माध्यम से बेहतर व्यवस्था स्थापित करने का प्रयास किया।

एकनाथ शिंदे से जुड़े ऑडियो की हो निष्पक्ष जांच - संजय निरुपम

पुणे, (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सियासी हलचल के बीच उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लेकर जारी ऑडियो क्लिप प्रकरण पर शिवसेना नेता संजय निरुपम ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने मौजूदा तकनीक के दुरुपयोग का हवाला देते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की और कहा कि तथ्य सामने आने तक कोई अंतिम टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। साथ ही शिवसेना नेता ने ईडी-सीबीआई जांच, मराठा आरक्षण और सीएम पद को लेकर चल रही चर्चाओं पर भी पार्टी का पक्ष स्पष्ट किया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लेकर मनोज जरांगे के आरोप पर शिवसेना नेता संजय निरुपम ने कहा, एक ऑडियो क्लिप भी जारी की गई है, लेकिन हमें यह याद रखना चाहिए कि हम ऐसे दौर में जी रहे हैं जहां तकनीक विशेषकर एआई का व्यापक उपयोग हो रहा है। सोशल मीडिया पर अनेक पोस्ट, वीडियो और ऑडियो ऐसे होते हैं जो पूरी तरह फर्जी साबित होते हैं। कई बार किसी व्यक्ति के नाम से ऐसी बातें प्रसारित कर दी जाती हैं जो उसने कही ही नहीं होतीं। इसलिए इस समय यह कहना कि यह ऑडियो पूरी तरह सही है, जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने आईटीबीपी के 65वें स्थापना दिवस के अवसर पर सभी जवानों को दी बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के 65वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से बल के सभी अफसरों और जवानों को बधाई दी गई है। पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर जवानों को बधाई दी है। प्रधानमंत्री की ओर से एक्स पर पोस्ट में लिखा गया, "आईटीबीपी के स्थापना दिवस पर बल के सभी जवानों को बधाई। आईटीबीपी के हिमवीरों ने अपने असाधारण साहस से खुद को साबित किया है। उन्होंने हमेशा अद्भुत दृढ़ संकल्प के साथ हर चुनौती का सामना किया है। उनकी निस्वार्थ सेवा और बलिदान देश के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत है।" रक्षा मंत्री राजनाथ



सिंह ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, "आईटीबीपी स्थापना दिवस पर, मैं आईटीबीपी के सभी जवानों और उनके परिवारों को हार्दिक बधाई देता हूँ। आईटीबीपी के हिमवीरों ने अत्यंत कठिन जलवायु परिस्थितियों में भारत की सीमाओं की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आंतरिक

गया, "शौर्य-दृढ़ता-कर्मनिष्ठा" आईटीबीपी स्थापना दिवस के अवसर पर, मैं आईटीबीपी के हिमवीरों को हार्दिक बधाई देता हूँ। कठिन परिस्थितियों में हमारी सीमाओं की रक्षा करने में आपका अदम्य साहस और दृढ़ता प्रेरणादायक है। आपके त्याग और देशभक्ति की भावना को नमन।" भारतीय सेना की ओर से सोशल मीडिया पर लिखा गया, "थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ और भारतीय सेना के सभी रैंक के कर्मियों की ओर से, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के 65वें स्थापना दिवस के अवसर पर, आईटीबीपी के सभी कर्मियों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।"

जेपी नड्डा ने दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में सेवाओं का जायजा लिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान (एबीवीआईएमएस) और राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल अस्पताल) की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने मरीजों की देखभाल, विशेष सेवाओं और बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया।



समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए, नड्डा ने इस बात पर जोर दिया कि बड़े स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की योजना बनाने समय प्रमुख संस्थानों की विशेषज्ञता और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों (बेस्ट प्रैक्टिसेज) का लाभ उठाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने आरएमएल अस्पताल में श्वायुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) को और अधिक मजबूती से लागू करने का आह्वाण किया। इसमें एबीडीएम के नियमों का पालन करना, ई-प्रिस्क्रिप्शन को व्यापक रूप से अपनाना और अन्य डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को शामिल करना है, ताकि मरीजों की देखभाल और सेवा वितरण में सुधार हो सके। एक बयान के अनुसार, मंत्री ने छात्रों और फैकल्टी के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि तनाव का उनके शैक्षणिक और पेशेवर जीवन पर क्या असर पड़ता है। उन्होंने आपसी सहयोगपूर्ण संबंधों, खुलकर बातचीत करने और निरंतर मानसिक स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

‘वोट चोरी’ भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरा, एसआईआर रद्द हो - भगवंत मान

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कहा कि श्वोट चोरी भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरा है। उन्होंने मतदाता सुधियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को रद्द करने की मांग करते हुए इस पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराने और अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। मुख्यमंत्री ने विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चुनाव आयोग के नाम पर मतदाता सूची में हेरफेर कर रही है, अपने पक्ष में वोट जोड़ रही है और विपक्ष के वोट हटा रही है। उन्होंने दावा किया कि बिहार, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनाव श्वोट चोरी के जरिए जीते गए



हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश उस स्थिति में पहुंच गया है जहां जनता द्वारा चुनी गई भाजपा सरकार अब यह तय कर रही है कि कौन वोट दे सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि लोकतंत्र के चारों स्तंभों पर तानाशाही हावी हो गई है। इसके बाद विधानसभा ने ध्वनि मत से एसआईआर के विरुद्ध एक प्रस्ताव पारित किया, जो मुख्यमंत्री मान

ने अग्रणी भूमिका निभाई है और इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक पात्र नागरिक को मनमानी से बाहर किए जाने के डर के बिना मतदान के अधिकार का प्रयोग करने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने कहा, "मतदान का अधिकार किसी सरकार द्वारा दिया गया कोई उपहार नहीं है। यह लोकतांत्रिक भागीदारी की बुनियाद है, और किसी भी पात्र नागरिक को अपनी पात्रता साबित करने में अनावश्यक कठिनाई या मनमानी से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।" पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआर अंबेडकर द्वारा परिकल्पित संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, गरिमा और राजनीतिक भागीदारी की गारंटी देता है। उन्होंने समाज के कुछ वर्गों को प्रभावित करने वाले मतदाता सूची के नाम हटाए।

रिकाबगंज-टकसाल मार्ग पर गड्डो के चलते लोग हो रहे घायल, संबंधित विभाग साधे हैं चुप्पी

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। दुर्गापूजा और दशहरा संपन्न होने के बाद जिला प्रशासन दीपोत्सव और दीपावली की तैयारियों में जुटा है, लेकिन शहर की सड़कों और गलियों में बने गड्डे अब भी हादसों को दावत दे रहे हैं। रिकाबगंज से टकसाल होते हुए चौक-सुभाषनगर संपर्क मार्ग को जोड़ने वाली गलियों में जगह-जगह गहरे गड्डे राहगीरों के लिए मुसीबत बने हुए हैं। शुक्रवार शाम इस मार्ग पर गड्डे में फंसकर एक ई-रिक्शा पलट गया। हादसे में एक महिला समेत तीन सवार घायल हो गए। रात के समय पर्याप्त रोशनी न होने से इस मार्ग पर दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, दोपहिया वाहन चालकों और ई-रिक्शा सवारों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। शहर के कई मोहल्लों और गलियों में सीवर लाइन बिछाने के बाद सड़क की मरम्मत नहीं कराए जाने से गड्डे बने हुए हैं। ये गड्डे लोगों की जान



के लिए खतरा बन रहे हैं, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। इससे स्थानीय लोगों में आक्रोश है। देखा जाये तो एक ओर रामनगरी को दीपोत्सव के लिए सजाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर सड़कों की बदहाली लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से गड्डों को तत्काल भरवाने और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि दीपोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो और दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

झारखंड के तीन दिवसीय दौरे पर रांची पहुंचे नितिन नवीन

रांची, (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शुक्रवार को झारखंड के तीन दिवसीय सांगठनिक दौरे पर रांची पहुंचे। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करने और अराजकता को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सदन से सड़क तक अपनी बात रखने और संघर्ष करने के रास्ते मौजूद हैं, लेकिन अराजकता फैलाने की किसी भी कोशिश का विरोध किया जाएगा। नवीन शनिवार को रांची में भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के उद्घाटन सत्र में शामिल होंगे। बैठक में गिरिडीह विधानसभा उपचुनाव सहित राज्य की राजनीतिक परिस्थितियों, संगठन की गतिविधियों और पार्टी की आगामी रणनीति पर चर्चा होने की संभावना है। रांची पहुंचने पर एयरपोर्ट पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू समेत भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों, पारंपरिक झारखंडी नृत्य और नारों के बीच कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, रघुवर दास और मधु कोड़ा सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, केंद्रीय मंत्री और सांसद मौजूद रहे। एयरपोर्ट से नवीन सीधे भाजपा के प्रदेश कार्यालय पहुंचे। वहां महिला मोर्चा की ओर से उनका स्वागत किया गया। उन्होंने कार्यालय परिसर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। पत्रकारों से बातचीत में नवीन ने रांची से अपने जुड़ाव का जिक्र करते हुए कहा कि यह उनका जन्मस्थान है और उन्हें यहां शिक्षा प्राप्त करने का अवसर भी मिला।



अपराधी कितना भी डीपफेक का आवरण ओढ़े, उसे खोज निकालेंगे - सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डीपफेक जैसी तकनीकों के दौर में अपराधी कितना भी तकनीक का आवरण ओढ़ ले, उत्तर प्रदेश की वैज्ञानिक और विधिक क्षमता उसे खोज निकालेगी। एआई हमारे लिए मददगार हो सकता है, लेकिन उसे निर्णायक नहीं बनना चाहिए। तकनीक का संचालन मानव विवेक से होना चाहिए, न कि मनुष्य तकनीक के विवेक पर निर्भर हो जाए। पूरी तरह एआई पर निर्भरता भविष्य में संकट बन सकती है। वैज्ञानिक साक्ष्यों, फॉरेंसिक जांच और आधुनिक तकनीक के समन्वय से अपराध अनुसंधान को प्रभावी बनाने के साथ न्याय मिलने में होने

वाली देरी को भी कम किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री शनिवार को लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस

अनुपालन के क्षेत्र में कार्य करने वाले इस्मफ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने कंसेंट मैनेजमेंट पोर्टल लॉन्च



(यूपीएसआईएफएस) में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन टेक संगम 2026 को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने क्वांटम फॉरेंसिक्स और विधिक

फॉरेंसिक विज्ञान और एआई के न्यायिक व प्रशासनिक उपयोग पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था में आए बदलाव का उल्लेख करते हुए बताया कि करीब 100 एकड़ की जिस जमीन पर आज विश्वस्तरीय फॉरेंसिक संस्थान खड़ा है, उस पर कभी लखनऊ के एक बड़े भू-माफिया का कब्जा था। उस समय पुलिस भी इस मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पा रही थी। वर्ष 2017 में पुलिस अधिकारियों से इसकी जानकारी मिलने के बाद जांच कराई गई और भू-माफिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। दूसरी एफआईआर दर्ज होते ही उसने आत्मसमर्पण कर जमीन छोड़ दी।

दिल्ली के 48 गांवों को मिलेगा 'शहरी' दर्जा, रेखा गुप्ता सरकार ने विकास की दिशा में लिया ऐतिहासिक निर्णय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने राजधानी के नियोजित और एकीकृत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 48 गांवों को शहरीकृत करने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य इन गांवों की वैधानिक स्थिति को दिल्ली के बदलते शहरी परिदृश्य के अनुरूप बनाना और इनके भविष्य के विकास को बेहतर योजना तैयार करने का आधार उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि इस निर्णय से संबंधित गांवों में भूमि उपयोग, सड़क संपर्क, सीवर, जलापूर्ति, स्वच्छता और अन्य नागरिक सुविधाओं की जरूरतों पर अधिक व्यवस्थित एवं समन्वित ढंग से विचार करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी कहा कि दिल्ली के गांव हमारी सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक जीवन और विकास यात्रा का अभिन्न हिस्सा हैं। गांवों की खुशहाली, वहां रहने वाले परिवारों के जीवन स्तर में सुधार और उन्हें बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सुनियोजित विकास बेहद जरूरी है। सरकार का प्रयास है कि दिल्ली का विकास संतुलित, समावेशी और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप हो। 48 गांवों का शहरीकरण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे इन क्षेत्रों की विकास संबंधी आवश्यकताओं का व्यवस्थित आकलन करने, नागरिक सुविधाओं की बेहतर योजना बनाने और संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय मजबूत करने का आधार तैयार होगा। हमारा लक्ष्य गांवों की पहचान और उनकी विरासत का सम्मान करते हुए उन्हें विकास से जोड़ना है। दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 की धारा 507(ए) के तहत इन 48 गांवों को शहरीकृत करने का निर्णय लिया जा रहा है।



अयोध्या धाम स्टेशन से लापता छः वर्षीया दिव्या की जीआरपी द्वारा गठित तीन टीमें द्वारा की जा रही तलाश आसपास के जिलों की पुलिस से मांगा जा रहा सहयोग

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन से पिछले माह लापता हुई छह वर्षीय बालिका दिव्या का अब तक पता नहीं चल सका है। बालिका की तलाश में जीआरपी ने तीन टीमें गठित कर अभियान तेज कर दिया है। अयोध्या धाम व आसपास स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज में एक संदिग्ध बालिका को अपने साथ ले जाता दिखाई दिया था। परिजनों की तहरीर पर जीआरपी ने अज्ञात को खिलाल

अपहरण का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। जानकारी के अनुसार, पिछले माह बस्ती जिले के रूथौली खुर्द थाना क्षेत्र के हलमाता गांव निवासी नेहा अपनी छह वर्षीय बेटी दिव्या और चार वर्षीय बेटी मानसी के साथ नानी के साथ अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की गैलरी में सो रही थीं। इसी दौरान दिव्या अचानक लापता हो गई। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने जीआरपी को सूचना दी, जिस पर अयोध्या कैंट जीआरपी में मुकदमा

दर्ज किया गया। इस संबंध में जीआरपी अयोध्या कैंट थानाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने बताया कि लापता बालिका की बरामदगी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के जिलों की डीसीआरबी को सूचना देकर अपने-अपने क्षेत्र में बालिका की तलाश में सहयोग करने को कहा गया है। इसके साथ ही तीन टीमें गठित कर अलग-अलग स्तर पर खोजबीन की जा रही है। बताया कि इधर से गुजरने वाले ट्रेनों में तैनात एस्कॉर्ट टीमों को पोस्टर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिन्हें

ट्रेनों में चस्पा करने के साथ रेल यात्रियों को भी वितरित किया जा रहा है। इसके अलावा रोडवेज बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन और प्रमुख चौराहों पर पोस्टर लगाकर बालिका की तलाश की जा रही है। जीआरपी का कहना है कि दिव्या को खोजने के लिए अभियान लगातार जारी है। उन्होंने लोगों से अपील किया कि किसी व्यक्ति को गुमशुदा बालिका व अपहरण कर्ता की सूचना मिले तो डिप्टी एसपी रेलवे प्रथम अनुभाग लखनऊ 9454401696, थानाध्यक्ष जीआरपी अयोध्या कैंट 9454404406 के मोबाइल पर सूचित करें।

देश की उपासना

संपादकीय सड़कों पर नई पीढ़ी

जब मूलभूत प्रश्न राजनीतिक दलों के लिए महत्त्वपूर्ण नहीं रहते और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं जन समस्याओं का समय पर समाधान नहीं कर पातीं, तो जाहिर है, लोगों को प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता नजर आता है। सड़कों पर उतरे असंतोष की चपेट में आने वाला सबसे नया देश इंडोनेशिया बना है। इससे पहले फ्रांस से लेकर अर्जेंटीना और इटली से लेकर ट्यूनिशिया तक में छात्र और युवाओं ने सड़कों पर उतर कर वहां मौजूद हालात पर अपना विरोध जताया है। इस सिलसिले में यह वाजिब राय बनी है कि दुनिया के अलग–अलग कोनों से जन प्रदर्शनों और आंदोलनों की आ रही तस्वीरें दरअसल एक बड़े वैश्विक संकट और बढ़ते जा रहे युवा असंतोष की ओर इशारा करती हैं। यूरोप के समृद्ध देशों में भी बढ़ती महंगाई शिक्षा के गिरते स्तर से असंतुष्ट नौजवान सड़कों पर उतरने को मजबूर हुए हैं। लगभग हर जगह वे संस्थानों से निष्पक्षता, पारदर्शिता, और अपने लिए बेहतर भविष्य की मांग कर रहे हैं। फ्रांस में स्कूलों की खराब स्थिति, बेल्जियम, ग्रीस और अर्जेंटीना में उच्च शिक्षा बजट में कटौती, और स्पेन एवं पुर्तगाल में मकान किराये में बेलगाम बढ़ोतरी ने नौजवानों में गुस्सा भड़काया है। अल्बानिया में छात्रों ने भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया है और शिक्षा सुधारों की मांग कर रहे हैं, जबकि ट्यूनिशिया में आर्थिक तंगी के साथ–साथ लोकतांत्रिक अधिकारों और सिकुडती गई स्वतंत्रताओं को लेकर गहरा आक्रोश है। इंडोनेशिया में महंगाई ने नौजवानों को सड़क पर आने के लिए विवश किया है। स्पष्ट है कि ये आंदोलन छिटपुट घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वर्तमान आर्थिक और संस्थागत ढांचों के प्रति नई पीढ़ी में महारूप अविश्वास का परिणाम हैं। नव–उदारवाद के दौर में दुनिया भर में शिक्षा के व्यापारीकरण हुआ है, वहीं मकान, बिजली, और रोजगार के अवसर आदि युवाओं की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। जब मूलभूत प्रश्न राजनीतिक दलों के लिए महत्त्वपूर्ण नहीं रह जाते और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान नहीं कर पातीं, तो जाहिर है, लोगों को प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता नजर आता है। अतरूक आंसू गैस, वॉटर कैनन, या धर–पकड़ जैसे बल प्रयोग से जन आक्रोश को दबाने का तरीका अस्थायी रूप से ही कारगर हो सकता है। सत्ताधारियों ने यह बात नहीं समझी, तो वे अधिक बड़ी उथल–पुथल को आमंत्रित करेंगे। और यह बात हर देश पर लागू होती है!

विदेशी साजिश के आरोपों में नया

अजीत द्विवेदी
एक शेर है कि श्सेफ अंदाज ए बयां से बदल जाती है बात, वरना इस दुनिया में कोई बात नई बात नहीं होतीच। गालिब ने भी कहा है कि उनका अंदाज ए बयां बाकी सुखनवरों से अलग है। कहने का मतलब है कि बात भले नई नहीं हो लेकिन अगर उसे अलग अंदाज में कहा जाए तो सुनने वाले को अच्छा लगता है और संदेश दूर तक जाता है। परंतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, अगरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष के समापन समारोह में मंगलवार, 20 अक्टूबर को जो कहा उसमें न तो कुछ नया था और न कहने का अंदाज अलग था। उनके भाषण में मुख्य रूप से दो बातों पर जोर दिया गया। पहली, भारत में हो रहे प्रदर्शन देश विरोधी ताकतों की साजिश हैं और दूसरी, दुनिया के कुछ देश भारत की बढ़ती ताकत से जलते हैं और इसे पसंद नहीं करते इसलिए साजिश के तहत भारत में माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। ये दोनों बातें भाजपा के प्रवक्ता हर जगह कह रहे हैं। भाजपा के नेता कह रहे हैं और संघ प्रमुख ने भी दोहराया कि दुनिया के कुछ देश भारत की तरक्की से जलते हैं और इसे पसंद नहीं कर रहे हैं। यह बहुत पुराना नैरेटिव है। कांग्रेस का शासन रहा हो या समाजवादि्यों का या भाजपा का, हर सरकार विदेशी साजिश के आरोप लगाती रही है। आमतौर पर अपनी कमियों को ढकने और जनता की आंख में धूल झांकने के लिए सरकारें इस नैरेटिव का इस्तेमाल करती हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि दुनिया के देश एक दूसरे के खिलाफ साजिश नहीं करते हैं। अमेरिका और रूस का शीतयुद्ध सारी दुनिया जानती है। इस समय भी अमेरिका और चीन एक दूसरे से दोस्ती भी दिखा रहे हैं और दांवपेंच भी चल रहे हैं। पश्चिम एशिया के देशों के बीच कूटनीतिक और सैन्य दोनों टकराव चल रहा है। उत्तर व दक्षिण कोरिया के बीच हर तरह की साजिशें चल रही हैं। चीन और जापान टकराने की हद तक तनाव में हैं। पूर्वी एशिया के कई अन्य देश भी चीन की साजिशों से परेशान हैं। अगर यह बताने बैठा जाए कि कौन सा देश किसी देश के खिलाफ और देशों का कौन सा समूह किसके खिलाफ साजिश कर रहा है तो कई पन्ने भर जाएंगे। लेकिन भारत में इस बात को ऐसे कहा जा रहा है, जैसे यह कोई अद्वितीय या अभूतपूर्व बात है, जैसे पहले कभी किसी देश के साथ ऐसा नहीं हुआ है। अगर भारत की ही बात करें तो पाकिस्तान राष्ट्र नीति के तौर पर आतंकवाद को प्रश्रय देता है और भारत के खिलाफ छद्म युद्ध चलाता है। सारी दुनिया इस बात को जानती है। लेकिन संघ प्रमुख उसका जिन्न लगाया कर रहे थे। वे बहुत अमूर्त अंदाज में कह रहे थे। फिर भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे अमेरिका की बात कर रहे थे, जहां हाल के दिनों में वे लंबे प्रवास पर गए थे और वहां के भारतवर्षियों को यह नसीहत देकर आए थे वे जिस देश में रहते हैं उसका सम्मान करें और उसके सच्चे नागरिक बन कर काम करें। दूसरी ऐसी ताकत चीन हो सकता है, जिसे भारत की तरक्की पसंद नहीं हो। अब इस नैरेटिव में दो बातों का जवाब तलाशना होगा। पहली बात तो यह कि भारत ने ऐसी क्या तरक्की की है, जिससे अमेरिका और चीन परेशान हो गए हैं और दूसरी अगर दो महाशक्तियां या कोई अन्य देश भी भारत के खिलाफ साजिश कर रहा है तो भारत क्या कर रहा है? वास्तविकता यह है कि भारत ने कोई खास तरक्की नहीं की है। भारत आज भी दुनिया के सबसे गरीब देशों में शामिल है। सबसे कम प्रति व्यक्ति आय वाले देशों में शामिल है तो सबसे खराब स्वास्थ्य व शिक्षा व्यवस्था वाले देशों में भी शामिल है। मानव विकास सूचकांक के हर पैमाने पर भारत बहुत नीचे है। 80 करोड़ लोगों को तो सरकार खुद पांच किलो अनाज दे रही है। सोचें, एक तरफ यह दावा किया जा रहा था कि भारत अब विश्वगुरु हो गया है, दुनिया में भारत का सम्मान पहले से ज्यादा हो गया है, दुनिया अब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाद ज्यादा ध्यान से सुनती है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तो यहां तक दावा किया कि किसी भी बड़े मुद्दे पर दुनिया के देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राय के बगैर फैसला नहीं करते हैं। फिर इस रोंने, कलपने का क्या मतलब है कि कुछ देश साजिश कर रहे हैं? जहां तक दूसरी बात का सवाल है तो अमेरिका, चीन या दूसरा कोई देश साजिश कर रहा है तब भी भारत कुछ नहीं कर रहा है। चीन के साथ भारत का व्यापार बढ़ रहा है और व्यापार घाटा भी बढ़ रहा है। दुनिया के सामरिक जानकार मान रहे हैं कि भारत अपनी आर्थिक जरूरतों के लिए खतरनाक रूप से चीन पर निर्भर होता जा रहा है। ऐसे ही अमेरिका एक निर्देश पर तेल खरीदने और बंद करने के फैसले करा रहा है। असल में विश्वगुरु होने के नैरेटिव की पोल धीरे धीरे खुल रही है। उसके बाद ही यह नैरेटिव लाया गया है कि दुनिया के देश भारत की तरक्की से जलते हैं और साजिश कर रहे हैं। अब संघ प्रमुख की पहली बात पर ध्यान दें तो उसमें भी कुछ नया नहीं है।

विचार

दिल्ली में बैठे बैठे मोदी ने इराक में कर दिया खेल, भारत के पास अब तेल ही तेल

नीरज
दुनिया की नजर इस बात पर टिकी है कि भारत रूस से कितना तेल खरीद रहा है, वेनेजुएला से कितना तेल खरीदेगा और अमेरिकी दबाव के आगे भारत अपने फैसेले बदलेगा या नहीं। लेकिन इस पूरे शोर–शराबे के बीच एक बड़ा सवाल जानबुझकर नजरअंदाज किया जा रहा है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है। देश की अर्थव्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, उद्योग और आम आदमी के जीवन में पेट्रोलियम की अहम भूमिका है। ऐसे में तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि भी भारत के आयात बिल, महंगाई और रुपये पर दबाव डाल सकती है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार,



इराक से भारत कितनी बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहा है और इस खरीद से अपने आर्थिक हितों को कैसे साध रहा है? देखा जाये तो रूस और वेनेजुएला के तेल पर दुनिया बहस करती रहे, लेकिन भारत की असली रणनीति समझनी है तो इराक के साथ उसके तेल कारोबार पर नजर डालनी होगी। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि यही वह मोर्चा है, जहां भारत अपनी जरूरत, बाजार और कीमत के हिसाब से फैसेले लेकर दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति किसी के दबाव से नहीं, बल्कि देश के हितों से तय होती है। देखा जाये तो

जानलेवा होती हवा– सदियों से पहले ही प्रदूषण की चुनौती

ललित
सर्दियों ने अभी पूरी तरह दस्तक भी नहीं दी है कि देश के अनेक शहरों की हवा में प्रदूषण का जहर घुलने लगा है। दिल्ली–एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का तेजी से बिगड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदूषण का संकट अब केवल सर्दियों की मौसमी समस्या नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर–नवंबर में दमघोंटू धुंध, आंध्रों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विंडब्लो यह है कि समस्या के कारणों की पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम हर वर्ष उसी त्रासदी को दोहराने के लिए विवश दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ हवा में सांस लेना भी अब नागरिकों के लिए एक दुर्लभ सुविधा बनकर रह जाएगा? किसी एक राज्य की देन नहीं है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी,

सत्तर साल जिया, मगर जाना

कई वरिष्ठ सहपत्रकारों की मृत्यु के समाचार भी मिलते हुएज़। किसी के जाने का समाचार अचानक आया, किसी के बारे में पहले से बीमारी के खबर थी। कमी जिन लोगों के साथ मन मिला, काम किया, गपशप की और जिनका होना रोजमर्रा की दुनिया की हलचल थी, वे अब नहीं हैं। इन इन लोगों के लिए हुए भारत से अलग था? या एक ही देश और समय को हम अपनी–अपनी दुनिया से अलग–अलग देखते रहे? लंबा जीना और जीवन को बड़ा जीना क्या एक ही बात है? और अब, जब मशीनों भी सोचने–लिखने लगी हैं, तब अपने जिए हुए जीवन, अपनी स्मृतियों और अनुभवों का अर्थ क्या रह जाता है? आखिर जो मैंने जिया, वह कितना समझा? जो समझा, वह कितना लिखा? और जो अब तक नहीं समझ पाया, उसे लिखने को क्या बचा है? बावजूद इसके समय को लेकर मन में विचार खदबदा रहे हैं। क्यों न हों? देखते–देखते हाल के वर्षों में कितने ही हमउम्र और अपने से छोटे परिवारजन, सहपाठी और पत्रकार साथी दिवंगत हो गए। किशान मानसिंहका, जगदीप बैस, जगदीश जांशिकी, जगदीप, कृष्ण चोपड़ा, शेख रियाजुद्दीनज़ छोटे भाई–बहन, बचपन की स्मृतियों में बसे चेहरेज़। और संसद भवन के सेंट्रल हॉल में एलएंडडी श्रेणी के

यम से दोनों देशों के आर्थिक संबंध भी मजबूत होते हैं। इराक से भारत की खरीद का महत्व हाल के घटनाक्रमों से और बढ़ गया है। 22 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में भारत ने इराक से प्रतिदिन लगभग 8.30 लाख बैरल तेल आयात किया, जबकि अगस्त में यह मात्रा लगभग 1.71 लाख बैरल प्रतिदिन थी। इसी दौरान भारत का रूस से तेल आयात लगभग 14 प्रतिशत घटकर 18 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। यह बदलाव बताता है कि भारत की तेल खरीद किसी एक राजनीतिक समीकरण से तय नहीं होती। जब मध्य–पूर्व का तेल प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उपलब्ध होता है, तो भारतीय रिफाइनरियां उसकी ओर रुख कर सकती हैं। रूस का तेल भी भारतीय बाजार के लिए महत्वपूर्ण बना रहता है, लेकिन खरीद का फैसला कीमत, परिवहन खर्च, उपलब्धता और रिफाइनरी की जरूरतों के आधार पर होता है। इस रणनीति का एक और उल्लेखनीय उदाहरण सामने आया। इसी महीने की एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने इराक के बसरा टर्मिनल से लगभग 20 लाख बैरल बसरा मीडियम क्रूड की एक खेप खरीदने पर सहमति जताई थी। रिपोर्ट में इस खरीद के लिए दुबई के तेल मूल्य से 32 डॉलर प्रति बैरल कम कीमत का उल्लेख किया गया। यह उदाहरण उस मूल सिद्धांत को सामने लाता है जिस पर भारत की ऊर्जा

रणनीति आधारित होनी चाहिए। यानि जहां बेहतर आर्थिक शर्तें मिलें, वहां से तेल खरीदने के विकल्प खुले रखे जाएं। देखा जाये तो तेल बाजार में भारत जैसे बड़े खरीदार का निर्णय केवल उसकी घरेलू अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता। भारत प्रतिदिन लाखों बैरल कच्चे तेल का आयात करता है। इसलिए यदि भारतीय कंपनियां रूस के बजाय इराक या दूसरे मध्य–पूर्वी उत्पादकों से अधिक प्रतिशत रूस को बजाय इराक या दूसरे मध्य–पूर्वी उत्पादकों से अधिक प्रतिशत था। बताया जा रहा है कि म् य–पूर्वी तेल की बेहतर उपलब्धता और रूसी तेल पर घटते मूल्य–लाभ के प्रतिशत में भीमिका निर्माई। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि इराक से ज्यादा तेल खरीदते ही दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें गिर जाएंगी। वैश्विक कीमतों पर अपेक की उत्पादन नीति, युद्ध, समुद्री परिवहन, मांग और आपूर्ति जैसे कई कारक असर डालते हैं। लेकिन भारत का विविध स्रोतों से खरीदना आपूर्तिकर्ताओं के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और अपने लिए बेहतर सौदे हासिल करने में मदद कर सकता है। यहां सवाल उठता है कि इस सबसे भारत

अंतर्गत प्रदूषण की गंभीरता के अनुसार निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध, वाहनों और उद्योगों पर नियंत्रण तथा अन्य आपातकालीन कदम उठाए जाते हैं। लेकिन इन उपायों की सफलता केवल आदेश जारी करने से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और निरंतर निगरानी से सुनिश्चित होती है। यदि प्रतिबंधों का उल्लंघन होता रहे, निर्माण स्थलों पर धूल उड़ती रहे और कचरा खुले में जलता रहे, तो सरकारी घोषणाएं अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकतीं। सरकार को प्रदूषण के चरम पर पहुंचने की प्रतीक्षा करने के बजाय सितंबर–अक्टूबर से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। प्रदूषण के स्रोतों की खुले मैदान में खेलने से रोकना पड़े, बुजुर्ग सुबह की सैर छोड़ने को विवश हों और श्रमिकों पर धूल निंत्रण और काम करना पड़े, तो यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जीवन की गरिमा और नागरिकों के स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। एयर प्यूरीफायर या मारक कुछ परिस्थितियों में व्यक्तिगत बचाव में सहायक हो सकते हैं। लेकिन वे स्वच्छ हवा की सार्वजनिक व्यवस्था का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण बढ़ने से ग्रेडेड रिसर्प्शन एक्शन प्लान (ग्रेप्) लागू करना आवश्यक है। इसके

यही है। अपने आसपास से विदा होते लोगों की याद और अपने जन्मस्थान में बचे हुए लोगों से मिलने की बेचौनी। आखिर अपने जीवन के बारे में कितना कुछ है जो मुझे स्वयं नहीं मालूम। और फिर जो जानते हैं, वे भी कब तक रहेंगे? इसीलिए इस विजयादशमी को, अपने जन्मदिन से पहले मन में खयाल आया कि जन्मदिन पर दिल्ली में क्यों रहा जाए? क्यों न उस जगह लौटूं जहां जन्म लिया था? जहां अभी भी 94–95 वर्ष की बुआ हैं। उनसे कुछ कम उम्र की मौसी हैं, मामी हैं और मुझसे पांच, दस, पंद्रह वर्ष बड़े भाईबंद हैं। वे लोग हैं, जिन्होंने मुझे बचपन से देखा, स्कूली दिनों से जाना और समझा। कुछ मेरे अव्यापक भी रहे। किसी ने तब अध्यापक बनने की सलाह दी थी तो किसी ने सेशन कोर्ट में क्लर्क की सरकारी नौकरी का रास्ता सुझाया था। पर तब बच्चे हों या अभिभावक, करियर और भविष्य की चिंता में दिमाग नहीं खपाते थे। बच्चे बचपन जीते थे। और मेरे अनुभव व विचार में जीवन के सबसे मस्त, मजेदार और खेफिक दिनों के अपनी पूरी मस्ती में जीते थे। मैं उम्रदराज भाईबंदों के आगे आज भी छोटा हूं। उम्र में भी और अनुभव में भी। आखिर जीवन के उतार–चढ़ाव, कुनबे और समाज के सुख–दुख, हंसी–गमी तथा बदलते देशकाल को उन्होंने मुझसे

को क्या फायदा हो सकता है? देखा जाये तो पहला फायदा है आयात लागत में बचत। अगर किसी खेप का वास्तविक पहुंच–मूल्य अन्य विकल्पों की तुलना में कम पड़ता है, तो भारतीय कंपनियों का खर्च घट सकता है। इसका लाभ रिफाइनरियों के मुनाफे और व्यापक अर्थव्यवस्था को मिल सकता है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कम कीमत का लाभ पेट्रोल–डीजल के खुदरा दामों में कितना पहुंचेगा, यह करें, रिफाइनिंग लागत और सरकारी मूल्य निर्धारण जैसे दूसरे कारकों पर भी निर्भर करता है। दूसरा फायदा है रणनीतिक स्वतंत्रता। भारत को रूस, इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और जरूरत के अनुसार अन्य उत्पादकों से तेल खरीदने के विकल्प बनाए रखने चाहिए। इससे किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता कम होती है और प्रतिबंधों या आपूर्ति संकट की स्थिति में विकल्प उपलब्ध रहते हैं। तीसरा फायदा है रणनीतिक सौदेबाजी की ताकत। जब भारतीय रिफाइनरियां कई बाजारों से खरीद सकती हैं, तो किसी एक आपूर्तिकर्ता की शर्तों को स्वीकार करना उनकी मजबूरी नहीं रह जाता। लेकिन इस लाभ को बनाए रखने के लिए समुद्री मार्गों की सुरक्षा, तेल की गुणवत्ता, परिवहन बीमा और भुगतान व्यवस्था का भी ध्यान रखना जरूरी है। इसके अलावा, इराक से प्रतिस्पर्धी शर्तों पर तेल खरीदना और अंतरराष्ट्रीय दबावों



उन्हें फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए सस्ती मशीनें, तकनीकी सहायता, आर्थिक प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर उपयोग की सुवि्हा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों निर्माण स्थलों पर धूल निंत्रण और वाहनों के उत्सर्जन की जांच पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। कृषि क्षेत्र में पराली किसानों की समस्या का समाधान किसानों पर जुर्माना लगाने भर से नहीं होगा।

अवश्यक है। मीडिया, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों के सहायता, आर्थिक प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर उपयोग की सुवि्हा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों निर्माण स्थलों पर धूल निंत्रण और वाहनों के उत्सर्जन की जांच पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। कृषि क्षेत्र में पराली किसानों की समस्या का समाधान किसानों पर जुर्माना लगाने भर से नहीं होगा।

अधिक देखा, भोगा और समझा है। सो, क्यों न उनके बीच कुछ समय गुजारू? बैठूं, बातें करूं। जानू कि वे अपने इतने लंबे जीवन को कैसे देखते हैं? क्या याद रह गया है और क्या पीछे छूट गया? किनेने कपड़ झोले? अपने ही कुल, वंश की तीन–चार पीढ़ियों में आए परिवर्तनों के वे कैसे देखते हैं? समय का यह सफ़र उन्हें कैसा लगता है? वे कितना जाए? क्यों न उस जगह लौटूं जहां जन्म लिया था? जहां अभी भी 94–95 वर्ष की बुआ हैं। उनसे कुछ कम उम्र की मौसी हैं, मामी हैं और मुझसे पांच, दस, पंद्रह वर्ष बड़े भाईबंद हैं। वे लोग हैं, जिन्होंने मुझे बचपन से देखा, स्कूली दिनों से जाना और समझा। कुछ मेरे अव्यापक भी रहे। किसी ने तब अध्यापक बनने की सलाह दी थी तो किसी ने सेशन कोर्ट में क्लर्क की सरकारी नौकरी का रास्ता सुझाया था। पर तब बच्चे हों या अभिभावक, करियर और भविष्य की चिंता में दिमाग नहीं खपाते थे। बच्चे बचपन जीते थे। और मेरे अनुभव व विचार में जीवन के सबसे मस्त, मजेदार और खेफिक दिनों के अपनी पूरी मस्ती में जीते थे। मैं उम्रदराज भाईबंदों के आगे आज भी छोटा हूं। उम्र में भी और अनुभव में भी। आखिर जीवन के उतार–चढ़ाव, कुनबे और समाज के सुख–दुख, हंसी–गमी तथा बदलते देशकाल को उन्होंने मुझसे

आवश्यक है। मीडिया, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों के सहायता, आर्थिक प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर उपयोग की सुवि्हा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों निर्माण स्थलों पर धूल निंत्रण और वाहनों के उत्सर्जन की जांच पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। कृषि क्षेत्र में पराली किसानों की समस्या का समाधान किसानों पर जुर्माना लगाने भर से नहीं होगा।

अधिक देखा, भोगा और समझा है। सो, क्यों न उनके बीच कुछ समय गुजारू? बैठूं, बातें करूं। जानू कि वे अपने इतने लंबे जीवन को कैसे देखते हैं? क्या याद रह गया है और क्या पीछे छूट गया? किनेने कपड़ झोले? अपने ही कुल, वंश की तीन–चार पीढ़ियों में आए परिवर्तनों के वे कैसे देखते हैं? समय का यह सफ़र उन्हें कैसा लगता है? वे कितना जाए? क्यों न उस जगह लौटूं जहां जन्म लिया था? जहां अभी भी 94–95 वर्ष की बुआ हैं। उनसे कुछ कम उम्र की मौसी हैं, मामी हैं और मुझसे पांच, दस, पंद्रह वर्ष बड़े भाईबंद हैं। वे लोग हैं, जिन्होंने मुझे बचपन से देखा, स्कूली दिनों से जाना और समझा। कुछ मेरे अव्यापक भी रहे। किसी ने तब अध्यापक बनने की सलाह दी थी तो किसी ने सेशन कोर्ट में क्लर्क की सरकारी नौकरी का रास्ता सुझाया था। पर तब बच्चे हों या अभिभावक, करियर और भविष्य की चिंता में दिमाग नहीं खपाते थे। बच्चे बचपन जीते थे। और मेरे अनुभव व विचार में जीवन के सबसे मस्त, मजेदार और खेफिक दिनों के अपनी पूरी मस्ती में जीते थे। मैं उम्रदराज भाईबंदों के आगे आज भी छोटा हूं। उम्र में भी और अनुभव में भी। आखिर जीवन के उतार–चढ़ाव, कुनबे और समाज के सुख–दुख, हंसी–गमी तथा बदलते देशकाल को उन्होंने मुझसे

भारत का जन्म एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में हुआ, आधुनिकता के राष्ट्र–राज्य के खांचे में, तो उसके साथ हिंदू सभ्यता की चिरंतनता, निरंतरता की दास्तान भी जुड़ी हुई थी। बावजूद इसके आज 145 करोड़ लोगों के सामने यह यक्ष प्रश्न है कि हमारी इस अमिटता में मानव सभ्यता की दृष्टि से बड़ा जीने जैसा क्या है? हजारों वर्षों से बने रहना एक बात है, लेकिन उन हजारों वर्षों में हमने अब जीवन को लेकर कितना संतोष है या संताप? क्या उम्र बढ़ने के साथ जीवन का अर्थ भी बदलता है या केवल उसे देखने का ढंग बदल जाता है? दिल्ली में रहते हुए उम्र का बोध कुछ और होता है। अपने काम, अखाबार, खबरों और देश–दुनिया की घटनाओं के बीच दिन निकल जाते हैं। वहां उन अब नहीं रहे। जन्मस्थान में अपने से बड़े लोगों के बीच शायद उम्र का दूसरा अर्थ है। जिन्हें उन लोगों के बूरा होऊंगा, जिन्होंने मुझसे अधिक देखा है, लेकिन जिनके जीवन का हिसाब मेरे जीवन से निश्चित ही अलग, बिस्कुल अलग होगा। मूल सवाल है, लंबे समय तक जीना ही क्या बड़ी बात है? या जीवन को बड़ा जीना कुछ और है? यह सवाल मेरे अंतर्मन की उस खदबदाहट से भी जुड़ा है कि 15 अगस्त 1947 को जब



देश की उपासना

पीएचडी व्यवस्था दुरुस्त करने को बनी नई टीम, प्रो. राजकुमार बने निदेशक

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शोध प्रशासन को व्यवस्थित करने और पीएचडी प्रक्रिया को पारदर्शी एवं गतिमान बनाने के लिए अनुसंधान एवं विकास सेल की नई टीम गठित की गई है। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर गठित इस टीम में प्रो. राजकुमार को अनुसंधान एवं विकास सेल का निदेशक नामित किया गया है। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी किया है। नई व्यवस्था के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्धारित मानकों के अनुरूप शोध ा प्रवेश से लेकर पीएचडी उपाधि प्रदान करने तक की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया जाएगा। निदेशक को शोधप्रबंध के अभिलेखीकरण, निगरानी, नीति निर्धारण और लंबित प्रकरणों के निस्तारण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यकारी टीम में डॉ. मनीष कुमार गुप्ता को पीएचडी प्रवेश, अभिलेख, शोध निर्देशक एवं सीट पंजिका, आरडीसी कैलेंडर और डिजिटल कार्यप्रणाली का दायित्व दिया गया है। प्रो. संतोष कुमार को कोर्स वर्क, शोध ाथियों की प्रगति, सेमिस्टर समीक्षा, प्रशिक्षण तथा जेआरएफ से एसआरएफ मूल्यांकन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में प्रो. नरेंद्र कुमार सिंह शोध ा पद्धति, शोध नैतिकता, गुणवत्ता, प्रकाशन मार्गदर्शन और प्रयोगशाला पद्धतियों का काम देखेंगे। प्रो. विनोद कुमार गुप्ता को प्री–सबमिशन, शोधप्रबंध संबंधी कार्यवाही, परीक्षक नियुक्ति, मूल्यांकन, मौखिक परीक्षा, उपाधि अभिलेख और शोध डैशबोर्ड की जिम्मेदारी दी गई है। समिति पीएचडी प्रक्रिया पुस्तिका और अध्यादेश का नया प्रारूप तैयार कर सक्षम निकायों से अनुमोदित कराएगी। सेल के कार्यों में सहयोग के लिए प्रशासनिक एवं तकनीकी कर्मचारियों की भी तैनाती की गई है। इनमें प्रशासनिक अधिकारी रघुनन्दन यादव, प्रधान सहायक गुलाब चंद एवं राजेंद्र प्रताप सिंह, कनिष्ठ सहायक नीलम सिंह, कंप्यूटर ऑपरेटर सुशील प्रजापति एवं प्रदीप कुमार सिंह तथा परिचर अंजनी तिवारी एवं जैनेंद्र कुमार विश्वकर्मा शामिल हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। नई व्यवस्था से शोध संबंधी कार्यों में समन्वय बढ़ाने, प्रक्रियाओं को समयबद्ध बनाने और लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी लाने पर जोर रहेगा।

जौनपुर में स्नातक चुनाव में 42.01 और शिक्षक निर्वाचन में 72.07 प्रतिशत मतदान

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के वाराणसी खंड स्नातक एवं खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का मतदान शुक्रवार को जौनपुर जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 42.01 प्रतिशत और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 72.07 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के निर्देशन में जिले के सभी मतदान केंद्रों पर सुबह आठ बजे मतदान शुरू हुआ, जो निर्धारित समय शाम चार बजे तक चला। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में कुल 60,396 मतदाता पंजीकृ त थे। इनमें से 25,377 मतदाताओं ने मतदान किया। मतदान करने वालों में 17,975 पुरुष और 7,402 महिला मतदाता शामिल रहीं। इस प्रकार स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में कुल 42.01 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। वहीं, खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में कुल 6,776 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें से 4,884 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान करने वालों में 4,034 पुरुष और 850 महिला मतदाता शामिल रहीं। इस निर्वाचन क्षेत्र में कुल 72.07 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह पूरे दिन मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते रहे। अधिकारियों ने मतदान प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था, कानून–व्यवस्था और आदर्श आचार संहिता के अनुपालन का जायजा लिया। जिला प्रशासन के अनुसार, जिले में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

जौनपुर में रिहायशी मकान से पांच किंवदंतल अवैध पटाखे बरामद, एक गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में कोतवाली पुलिस ने मोहल्ला बाजार भुआ स्थित एक रिहायशी मकान से पांच किंवदंतल अवैध आतिशबाजी के पटाखे बरामद किए हैं। पुलिस ने मौके से एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। मामले में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में शुक्रवार देर रात जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी नगर सम्यक चौधरी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक



डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर अपराध की रोकथाम और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक नगर अनन्त चन्द्रशेखर तथा सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी नगर सम्यक चौधरी के निर्देशन और पर्यवेक्षण में कोतवाली पुलिस टीम ने छापेमारी की। इस दौरान बाजार भुआ मोहल्ले में एक रिहायशी मकान से पांच किंवदंतल अवैध आतिशबाजी के पटाखे बरामद हुए। पुलिस ने मौके से ऐसन रजा पुत्र मुनीर हसन, निवासी बाजार भुआ, थाना कोतवाली, जौनपुर को गिरफ्तार कर लिया।बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर कोतवाली थाने में मुकदमा अपराध संख्या 264६2026 के तहत विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4६5 में मुकदमा दर्ज किया गया है।

बालिकाओं के लिए चलाया जागरूकता अभियान

किलजौनपुर। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान के लिए पुलिस मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरूकता और सुख्शा गतिविधियां चला रही है। अभियान के दौरान महिला बीट पुलिस अधिकारी गांवों और वाडों में पहुंचकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और सुख्शा संबंधी हेल्पलाइन नंबर्स की जानकारी दे रही हैं। पुलिसकर्मी चौपाल लगाकर महिलाओं को जागरूक करने के साथ पम्पलेट और फोल्डर भी वितरित कर रहे हैं। उन्हें उत्पीडन, छेड़छाड़ और अन्य समस्याओं की स्थिति में पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

भगवान के मुख से निकली वाणी ही श्रीमद्भागवत कथा - पं. रजनीकांत द्विवेदी



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। नगर के विवाह मैरेज लॉन में शुक्रवार से सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा के पहले दिन कथाव्यास पं. रजनीकांत द्विवेदी ने श्रीमद्भागवत कथा की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान के मुख से निकली हुई वाणी ही भागवत कथा है। उन्होंने कहा कि जिस दिन से इस कथा के आयोजन की तिथि निर्धारित हुई, उसी दिन से यह स्थान पवित्र का तीर्थस्थल बन गया। कथा की मुख्य यजमान विमला सेठ हैं। आयोजन के पहले दिन श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर आध्यात्मिक संदेश प्राप्त किया। कथाव्यास पं. रजनीकांत द्विवेदी ने भक्तों की श्रेणियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान के भक्त तो सभी होते हैं, लेकिन उनकी भक्ति

पीयू का परीक्षा कैलेंडर जारी, 14 नवंबर से शुरू होंगी परीक्षाएं 31 अक्टूबर तक भरे जाएंगे परीक्षा फॉर्म



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026–27 की परीक्षाओं को निर्धारित समय पर संपन्न कराने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। इस कैलेंडर में परीक्षा फॉर्म भरने, उनके सत्यापन और मुख्य सैद्धांतिक परीक्षाओं की तिथियां और निर्धारित की गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का उद्देश्य शैक्षणिक सत्र को नियमित रखते हुए परीक्षा, मूल्यांकन और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाना है। जारी परीक्षा कैलेंडर के अनुसार,

मुख्य चुनाव आयुक्त की बरखास्तगी के लिए प्रदर्शन

जौनपुर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त करने, एस.आई.आर को रह करने तथा एस. आई.आर से जुड़ी अन्य समस्याओं को लेकर छात्र संगठन—एआईडीएसओ, युवा संगठन—एआईडीवाईओ, किसान संगठन—एआईकेकेएमएस व संयुक्त किसान मोर्चा ने संयुक्त रूप से षनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर में धरना–प्रदर्शन के पहले रोडब्लेज परिसर से जुलूस भी निकाला।सभा में वक्ताओं ने कहा कि जिस तरह एस.आई.आर के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 13 करोड़ मतदाताओं को मतदान से वंचित किया है और

रास्ते के विरोध आग लगाकर झुलसे किसान की मौत

जौनपुर। लाइनबाजार क्षेत्र के परियावां गांव निवासी 35 वर्षीय किसान दिनेश कुमार मौर्य की शुक्रवार देर रात बीएचयू ट्रामा सेंटर में उपचार के दौरान मौत हो गई।ज्ञात हो किसान ने 17 अक्टूबर को अपनी जमीन पर रास्ता बनाए जाने का विरोध करते हुए पेट्रोल छिड़ककर खुद को आग लगा ली थी। गंभीर रूप से झुलसने के कारण उसे जिला अस्पताल से

बीएचयू रेफर किया गया था, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। दिनेश कुमार मौर्य पुत्र त्रिभुवन मौर्य का मौर्य बस्ती में जाने वाली सड़क के निर्माण को लेकर विवाद चल रहा था। दिनेश का आरोप था कि बस्ती के कुछ लोग उसकी जमीन पर जबरन सड़क बनवा रहे हैं। इसी बात को लेकर उसने विरोध जताया। आरोप है कि 17 अक्टूबर को गांव के

कहा कि मानव जीवन में सदाचार, सेवा, सद्भाव और भक्ति का विशेष महत्व है। मनुष्य को अपने आचरण और विचारों को श्रेष्ठ बनाकर जीवन को सार्थक बनाने का प्रयास करना चाहिए। कथाव्यास ने श्रीमद्भागवत कथा की विशेषता बताते हुए कहा कि जब कोई व्यक्ति सच्चे मन से कथा सुनने के लिए पंडाल में पहुंचता है, तो वह संसार के जंजाल से दूर होकर आध्यात्मिक शांति का अनुभव करता है। भागवत कथा मनुष्य को जीवन के वास्तविक उद्देश्य का बोध कराती है और उसे भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। कथा श्रवण से व्यक्ति के मन में सकारात्मक विचारों का संचार होता है तथा उसे अपने कर्तव्यों और कर्मों के प्रति सजग रहने का संदेश मिलता है। कथा शुरू होने से पहले विवेक सेठ मौनू ने व्यासपीठ की आरती उतारी। इसके बाद कथाव्यास ने भागवत कथा का प्रवचन किया। आयोजन में गहना कोठी परिवार के विनीत सेठ विशाल सेठवीपिन सेठ सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ पर श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ कथा का श्रवण किया। आयोजन के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति, सदकर्म और आध्यात्मिक जीवन के महत्व का संदेश दिया गया।

पीयू का परीक्षा कैलेंडर जारी, 14 नवंबर से शुरू होंगी परीक्षा फॉर्म

व्यवस्थित करने और आगामी परीक्षाओं के लिए समय का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बीसीए, बीबीए, एलएलबी, बीएड, एमएड, बीपीएड, एलएलएम, बीएससी कृषि, एमएससी कृषि, बीपीईएस और बीएलआईडी पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का कार्यक्रम अलग से जारी किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक सूचना पर नजर रखनी होगी। परीक्षा कैलेंडर जारी होने के साथ ही विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र को निर्धारित समय–सारिणी के अनुसार संचालित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा फॉर्म भरने की निर्धारित समय–सीमा का ध्यान रखें और अपने पाठ्यक्रम से संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट तथा संबंि त महाविद्यालय से जारी सूचनाओं का नियमित अवलोकन करें।

सील कर दिया गया, ट्रेनों, मेट्रो ट्रेनों, बसों इत्यादि जैसी आवागमन की सुविधाओं को भी रोका गया और अब प्रदर्शनकारियों पर गैर कानूनी हथकंडे अपनाते हुए उनके लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमले किये जा रहें हैं। जो देश के नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों पर सीधे

आलोचना करते हैं, साथ ही मांग करते हैं कि श्री ज्ञानेश कुमार को तुरंत बर्खास्त किया जाए। एस आई आर प्रक्रिया पर तुरंत रोक लगाई जाए और मतदाता सूची से काटे गए 13 करोड़ मतदाताओं के नाम पुन: मतदाता सूची में शामिल किये जाएं। रविशंकर मौर्य ने कहा— ज्ञानेश कुमार ने केन्द्र सरकार की सह पर चुनाव प्रक्रिया में अवैध ा फेर बदल करके लोकतंत्र की हत्या की है। सरकार द्वारा ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए पूरे दिल्ली को पुलिस छावनी में तब्दील कर

लोगों के सामने ही उसने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह आग बुझाई और उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। दिनेश की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे बीएचयू ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया था। वहां बात को लेकर उसने विरोध जताया। आरोप है कि 17 अक्टूबर को गांव के लोगों के सामने ही उसने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह आग बुझाई और उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। दिनेश की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे बीएचयू ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया था। वहां बात की दिनों तक जसंगी और मौत से जूझने के बाद जसंगी मौत हो गई।

जौनपुर, शनिवार, 24 अक्टूबर 2026 3

परमात्मा को रझाने के लिए दिवावा नहीं, सच्ची भक्ति जरूरी – शांतनु महाराज



श्रीराम की करुणा, कृपा और उद्धार करने वाली शक्ति का संदेश दिया। उन्होंने श्रद्धालुओं से सुख–दुख में समान भाव रखते हुए सदकर्म करने और प्रभु का स्मरण करते रहने का आह्‍वान किया। आचार्य शांतनु महाराज ने मुख्य आयोजक ज्ञान प्रकाश सिंह के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि श्रीरामकथा और भव्य कलश यात्रा का यूट्यूब एवं सोशल मीडिया के माध्‍यम से व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया है। उन्होंने आयोजन की व्यवस्थाओं में जुटे सेवाभारती के कार्यकर्ताओं के सेवा भाव की भी प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि ज्ञान प्रकाश सिंह की ओर से जौनपुर में तीसरी बार नौ दिवसीय श्रीरामकथा का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्‍यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों, प्रेम, त्याग और समर्पण से जुड़ने का

आंगनवाड़ी केंद्र को विवि ने दिए पुस्तकें, खिलौने

सीमित नहीं है, बल्कि इसमें स्वच्छ वातावरण, पीष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा का समान महत्व है। आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी हैं। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई पुस्तकें, कहानी की किताबें और खिलौने बच्चों की रुचि, कल्पनाशीलता तथा सीखने की क्षमता को और बढ़ाएंगे। हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि हर बच्चे को सुरक्षित, स्वच्छ, खुशहाल और शिक्षाप्रद वातावरण मिले।

निदेशक नियोजन एवं विकास बने रजनीश भास्कर

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कैंपस इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार और रखरखाव को लेकर महत्वपूर्ण नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। विश्वविद्यालय की व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्युत अवसंरचना के नियोजन, नए निर्माण, संचालन, तकनीकी परीक्षण और मरम्मत कार्यों का पूरा समन्वय संभालेंगे। इसके साथ ही कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय की श्‍ववन एवं निर्माण समितिश् के गठन, पुनर्गठन और बैठकों की रूपरेखा तैयार कर निर्णय लागू करने का काम भी देखेंगे।कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के लिए निदेशक के अधीन एक विशेष टीम का गठन किया गया है। इस टीम में परामर्शी अधिशासी अभियंता आर. के. सिंह, सहायक

चारो भाइयों का मिलन देख दर्षक भावविभोर

जौनपुर। पंडित जी का ऐतिहासिक भरत मिलाप बड़े धूमधाम से शुक्रवार की रात में संपन्न हुआ। चारों भाइयों का भावपूर्ण मिलन देखकर लोगों की आँखें नम हो गई। भरत और शत्रुघ्न अपने बड़े भाई श्री राम को देखते ही नंगे पांव दौड़कर उनके गले लिपट गये और अश्रु की धारा बहने लगी। ऐसा मार्मिक दृश्य देख कर इकट्ठी भीड़ ने जय श्री राम का जोरदार जयकारा लगाया और लोगों ने पुष्‍पवर्षा करते हुए वातावरण को राममय कर दिया। पण्डित जी राम लीला समिति का ऐतिहासिक भरत मिलाप की शोभायात्रा नगर के अडियापुर से हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। नगर के अलावा सीमावर्ती जिलों से आया हुआ लॉग,झांकियां,विशालकाय डीजे लोगों की आकर्षण का प्रमुख केन्द्र रहा। शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों सुतहट्टी बाजार,सब्जी मंडी,कोतवाली चौराहा, चहारसू चौराहा,शाही पुल,ओलन्दगंज स्थित राम भरत मिलाप मंच पर पहुंच कर संपन्न हुआ। ओलन्दगंज में भगवान श्री राम और भरत का मिलाप देखने के लिए लोग दोनों तरफ हाथों में पुष्‍प लेकर बेसब्री से इंतजार करते रहे। जैसे ही भोर में श्री राम का पुष्‍पक विमान रथ करीब पहुंचा भरत और शत्रुघ्न चौदह वर्षों की रहस को बर्दाश्त नहीं कर पाए और नंगे पांव दौड़ कर अपने बड़े भाई श्री राम से लिपट गये और चारों भाइयों के नयन से अश्रु की धारा बहने लगी। यह दृश्य देख कर लोगों की आँखें नम हो गई। चारों भाइयों का मिलन प्रेम,भाईचारा,त्याग का संदेश देता हैं। कार्यक्रम के अंत में शामिल लाग, झांकियां,बनारस से आयी हुयी मां काली की भव्य आकर्षक मुखौटा तथा जौनपुर की झाकियों को पुरस्कृ त कर सम्मान पत्र दिया गया।

अवसर मिल रहा है। इस अवसर पर मिलथलेश नारायण (क्षेत्र बौद्धिक शिक्षण प्रमुख), विपिन सिंह (क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, भाजपा), मुरलीपाल (प्रांत कार्यवाह, आरएसएस), डॉ. अजय सिंह (जिलाध्यक्ष, भाजपा मछलीशहर), बी. पी. सरोज (पूर्व सांसद), कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह (पूर्व राज्यमंत्री), पप्पू रघुवंशी, नीरज मौर्य, नागेश्वर, संदीप सिंह, दिनेश टंडन, राय अभय सिंह, मनोज मिश्र (डीन पत्रकारिता, प्.वि.वि.), मनोज सिंह आयोजन की व्यवस्थाओं में जुटे सेवाभारती के कार्यकर्ताओं के सेवा भाव की भी प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि ज्ञान प्रकाश सिंह की ओर से जौनपुर में तीसरी बार नौ दिवसीय श्रीरामकथा का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्‍यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों, प्रेम, त्याग और समर्पण से जुड़ने का

उन्होंने केंद्र में साफ–सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए स्‍वच्छता को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के समुचित विकास के लिए स्‍वच्छ वातावरण, गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और स्‍वास्‍थ्‍य संबंधी सुविधाएँ अत्‍यंत आवश्‍यक हैं। डॉ शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनु त्यागी, सीडीपीओ करंजाकला मंजू तिवारी, आंगनवाड़ी केंद्र की सहायिका, प्राथमिक विद्यालय सुल्‍तानपुर के शिक्षक उपस्थित रहे।

गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के 17 जिलों में 12 बजे तक 36.07 फीसदी मतदान

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए शुक्रवार सुबह आठ बजे से मतदान शुरू हो गया। इस चुनाव में 17 जिलों के 200 मतदान केंद्रों पर 54,910 शिक्षक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान केंद्रों पर कर्मचारी व्यवस्थाएं संभालने में जुटे हैं। वहीं, शांतिपूर्ण मतदान के लिए सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। गोरखपुर में मतदान के दौरान सपा प्रत्याशी डॉ. संजय त्रिपाठी के बाइट देने को लेकर भाजपा समर्थकों से नोकझोंक हो गई। भाजपा मंडल प्रभारी आशीष गुप्ता ने मतदान केंद्र परिसर के अंदर सपा प्रत्याशी के बयान देने पर विरोध जताया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। इससे कुछ देर के लिए वहां माहौल गरमा गया। शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर मतदान केंद्रों पर सुबह से ही गतिविधियां तेज हैं। निर्वाचन प्रक्रिया पर प्रशासन की नजर है। मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं।



जौनपुर के लिए, फटे से लटक कर विवाहिता की मौत



भदोही, (संवाददाता)। कोतवाली क्षेत्र के गजिया के चकमीरा बस्ती में बुधवार की रात 20 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध हाल में मौत हो गई। तड़के विवाहिता का फंदे से लटकते शव मिलने से घर और पड़ोस में कोहराम हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मायके वालों की

तहरीर के आधार पर पुलिस छानबीन कर रही है। भदोही नगर पालिका कार्यालय से सटे वार्ड नंबर 14 में चकमीरा आता है। यहां के अफरोज का विवाह बीते जनवरी में भानपुर (जौनपुर) की 20 वर्षीय सानिया पुत्री खालिक के साथ हुआ था। सुबह सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। उधर मायके वाले भी आ गए थे। मायके वालों का आरोप था कि

निवेशकों का लाखों रुपये लेकर भागी निजी कंपनी

गोरखपुर, (संवाददाता)। सिकरीगंज थाना क्षेत्र के हरदत्तपुर पेट्रोल पंप के पास संचालित एक निजी वित्तीय कंपनी पर निवेशकों के लाखों रुपये लेकर भागने का आरोप लगा है। पीड़ितों का कहना है कि कंपनी का कार्यालय बंद है और जिम्मेदार लोगों का पता नहीं चल रहा है। इससे परेशान निवेशकों ने सिकरीगंज पुलिस को तहरीर देकर मामले की जांच कराने और अपनी जमा पूंजी वापस दिलाने की मांग की है। पीड़ितों के मुताबिक, क्षेत्र के कई लोगों ने अपनी बचत की रकम कंपनी में जमा की थी। उन्हें उम्मीद थी कि निर्धारित समय पर उनकी धनराशि वापस मिल जाएगी, लेकिन कार्यालय बंद होने और जिम्मेदार लोगों के नहीं मिलने से उनकी परेशानी बढ़ गई है। निवेशकों का आरोप है कि उनकी मेहनत की कमाई फंस गई है और उन्हें आर्थिक संकट का सामना

करना पड़ रहा है। इस मामले में विनोद यादव, फूलचंद यादव, अमरजीत, पुष्पेंद्र, सरिता, पवन, सुरेश, अविनाश, सूर्य प्रकाश, श्याम, अजय, दीनानाथ, अनूप, रवि, रामदयाल, राजेश, दुर्गेश, रमाशंकर, यशवीर, वानंद, चंदन, राकेश, यशवंत और मनजीत सहित कई लोगों ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ितों ने कंपनी के जिम्मेदार लोगों का पता लगाने और अपनी जमा ६ नराशि वापस दिलाने की गुहार लगाई है। निवेशकों का कहना है कि उनकी जीवनभर की बचत दांव पर लगी है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर रकम वापस दिलाने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। थानाध्यक्ष सिकरीगंज आशीष कुमार दुबे ने बताया कि मामला सज्जान में आया है। जांच कर उन्हें आर्थिक संकट का सामना

तीन घंटे देरी से आई ट्रेन, नहीं हो पाए पशुपतिनाथ के दर्शन

गोरखपुर, (संवाददाता)। ट्रेन तीन घंटे से अधिक देर से पहुंची तो यात्रा की योजना बिगड़ गई। मुंबई से परिवार के साथ आए अशोक कानाडे को कुशीनगर एक्सप्रेस से गोरखपुर पहुंचकर नेपाल में पशुपतिनाथ के दर्शन करने जाना था, लेकिन ट्रेन की देरी के कारण उन्हें स्टेशन पर ही तीन घंटे से अधिक समय बिताना पड़ा। बृहस्पतिवार को पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवणकर के जनसंवाद कार्यक्रम में अशोक कानाडे ने अपनी परेशानी बताई और कहा ट्रेनों का समय पालन सही होना चाहिए। नेपाल निवासी मनोराम गुप्ता परिवार के साथ वैष्णो देवी के दर्शन करने जाने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यात्रियों को भी सफाई के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। वहीं बनारस जाने के लिए अमृत भारत ट्रेन का इंतजार कर रहे मंजीत साहनी ने भी यात्रियों से साफ-सफाई पर ध्यान देने की बात कही। बांद्रा टर्मिनस-बरोनी एक्सप्रेस से समस्तीपुर जा रहें नीतू सिन्हा ने बताया कि ट्रेनों में सफाई की स्थिति ठीक रहती है, लेकिन यात्री बाद में गंदगी फैला देते हैं। इससे सफाई व्यवस्था प्रभावित होती है। महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने विशेष स्वच्छता अभियान के तहत गोरखपुर वंजशक के प्लेटफॉर्म नंबर एक और दो पर स्थित प्रतीक्षालयों, अनारक्षित टिकट कारुंटरों और बांद्रा टर्मिनस-बरोनी एक्सप्रेस में यात्रियों से संवाद किया। उन्होंने स्वच्छता और यात्री सुविधाओं के बारे में सुझाव मांगे। स्टेशन परिसर का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को कमियां दूर करने के निर्देश भी दिए। महाप्रबंधक ने कहा कि भारतीय रेल में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।



घटना के बारे में वर पक्ष की ओर से उन्हें सूचना तक नहीं दी गई। उन लोगों को घटना के बारे में पड़ोसियों से सूचना मिली कि उनकी बेटी की मौत हो गई है, तब मौके पर पहुंचे हैं, जबकि पति अफरोज का कहना था कि उन्होंने कई बार मायके वालों को फोन लगाया, लेकिन उन लोगों ने फोन रिसीव नहीं किया। मृतका सानिया के पिता खालिक ने भदोही कोतवाली में तहरीर देकर अपने दामाद अफरोज, ससुर, एक युवती और दामाद के चाचा के खिलाफ बेटी की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। कोतवाली प्रभारी शैलेश राय ने बताया कि पिता की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ दहेज अि नियम में प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन की जा रही है। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

प्राथमिक शिक्षक भर्ती परीक्षा तीन और चार दिसंबर को

गोरखपुर, (संवाददाता)। नगर क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में प्राथमिक शिक्षक बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए भर्ती प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली है। शासन की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के तहत तीन और चार दिसंबर को लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा में सफल होने वाले अभ्यर्थी ही शिक्षक पद पर नियुक्ति के लिए पात्र होंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक अजीत कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला स्तर पर केंद्रों के निर्धारण और आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था अनिवार्य होगी, सुरक्षा के लिए पुलिस बल भी तैनात रहेगा।

वोट हमारा अधिकार और ताकत है, छूटे हुए नाम जुड़वाने बूय पर पहुंचें लोग - शावेज जाफरी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए शनिवार को अयोध्या के विभिन्न बूथों पर विशेष कैंप आयोजित किए गए। इस दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं समाजवादी अधिवक्ता सभा के शावेज जाफरी हसनू कटरा स्थित प्राथमिक विद्यालय के बूथ पर पहुंचे। उन्होंने लोगों से मुलाकात कर मतदाता सूची में छूटे हुए नामों को जुड़वाने की अपील की। शावेज जाफरी ने कहा कि वोट केवल मतदान का माध्यम नहीं, बल्कि लोकतंत्र में आम नागरिक की सबसे बड़ी ताकत और उसका संवैधानिक अधिकार है। प्रत्येक नागरिक को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक रहना चाहिए। जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में दर्ज होने से छूट गए हैं, वे अपने संबंधित बूथ पर पहुंचकर नाम जुड़वाने की प्रक्रिया पूरी करें। उन्होंने कहा



कि मतदाता सूची में नाम दर्ज होना लोकतांत्रिक व्यवस्था में भागीदारी के लिए बेहद जरूरी है। इसलिए किसी भी पात्र नागरिक का नाम सूची से छूटना नहीं चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी मतदाता सूची में

नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित करें। शावेज जाफरी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर पात्र मतदाता की भागीदारी जरूरी है। ऐसे में लोगों को विशेष कैंप का लाभ उठाते हुए अपने नाम की जांच करनी चाहिए और नाम छूटने की स्थिति में उसे जुड़वाने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

प्रमुख सचिव ने सण्डीला मंडी स्थित धान क्रय केंद्र का किया निरीक्षण



‘रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’ ‘हरदोई–शनिवार को प्रमुख सचिव, खाद्य एवं रसद विभाग, उत्तर प्रदेश अनिल कुमार ने जनपद की सण्डीला मंडी स्थित धान क्रय केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने धान खरीद से संबंधि

त व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने केंद्र पर किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, धान की तौल, गुणवत्ता परीक्षण, अभिलेखों के रखरखाव तथा खरीद प्रक्रिया की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया

‘गन्ने के साथ सह–फसली खेती अपनाकर किसान बढ़ा सकते हैं अपनी आय’ वैज्ञानिक पंकज कुमार सिंह



ब्यूरो चीफ – आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, बरासिन द्वितीय में गन्ने के साथ अंतरवर्तीय फसलों की वैज्ञानिक खेती का सफल प्रदर्शन किया गया है। इस पद्धति के माध्यम से किसान एक ही खेत में गन्ने के साथ दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खेती करके अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं। केंद्र के कृषि वैज्ञानिक डा. पंकज कुमार सिंह (शस्य विज्ञान) ने बताया कि किसान गन्ने की एकल खेती के स्थान पर गन्ना के साथ चना, पीली सरसों, मसूर और मटर

जैसी सह–फसलें उगाकर उपलब्ध भूमि का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। गन्ने की चौड़ी कतार विधि से बुवाई करने पर बीच की खाली जगह में दूसरी फसलें उगाना आसान होता है। इससे खरपतवार नियंत्रण, भूमि की उर्वरता में सुधार और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिल सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, चना और मसूर जैसी दलहनी फसलें मिट्टी में नाइट्रोजन की स्थिरीकरण में सहायक होती हैं, जबकि पीली सरसों जैसी कम अवधि की फसलें किसानों को अतिरिक्त आय का अवसर प्रदान करती हैं। इस पद्धति से किसानों की आमदनी बढ़ाने और खेती की लागत को बेहतर

अरे हई तेजसवा त बिना इंडीकेटरवा देले मुड़ गयल, ललका फ्लाइटवा लड़की कहौ

वाराणसी, (संवाददाता)। आसमान में करतब दिखा रहे राफेल, सुखोई की गर्जना और गति की तरह काशीवासियों के तेजसवा त बिना इंडीकेटरवा देले मुड़ गयल...। कुल अपने कपारे पर से जात हइन, जियरा कांप जात बा...। घरवा–छतवा पर कपड़वा डारा पे डाले हाई लागत हो कि सुखाए से पहिले ओके हई सुखोईर्ये उड़ा ले जाई, कुछ इसी तरह का अंदाज अस्सी और लंका

हौं...। हऊ देखा र फेलवा पलटत–पलटत हेरा गयल ऊपरा...। अरे हई देखा, एकै में तिन गिला बैठल हऊअन...। ई तेजसवा त बिना इंडीकेटरवा देले मुड़ गयल...। कुल अपने कपारे पर से जात हइन, जियरा कांप जात बा...। घरवा–छतवा पर कपड़वा डारा पे डाले हाई लागत हो कि सुखाए से पहिले ओके हई सुखोईर्ये उड़ा ले जाई, कुछ इसी तरह का अंदाज अस्सी और लंका

की चाय टपरियों पर था। अस्सी घाट पर शो देखने के बाद लंका मालवीय चौराहे स्थित धर्मेंद्र यादव की चाय की दुकान पर रुके विकास पाठक ने कहा कि देखला सरदार.. इहे हव मोदी सरकार.. कब्बो अइसन हवाई जहाज देखले रहला। धर्मेंद्र भी चाय थमाते हुए बोले कि लड़ाकू वाला विमानवा अइसन गरजत रहल कि लगत रहल कि दुकाने के छते पर से जात हव...।

बेटियों के भविष्य को संवारने में सुकन्या समृद्धि खाते का अहम योगदान – मनोज कुमार श्रीवास्तव

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।अयोध्या प्रधान डाकघर में मण्डल के अधीक्षक डाकघर मनोज कुमार श्रीवास्तव ने सुकन्या समृद्धि योजना का स्पेशल काउन्टर खोलते हुए मण्डल के सभी डाकघरों में छेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अन्तर्गत प्समृद्ध सुकन्या– समृद्ध समाजक अभियान की शुरुआत 23 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक किया।इस दौरान अधीक्षक डाकघर बताया इस प्समृद्धि सुकन्या–समृद्ध समाजक अभियान के दौरान डाक कर्मी घर घर जाकर ग्रामवासियों को सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाने के लिए जागरूक करेंगे।प्समृद्धि सुकन्या–समृद्ध समाजक अभियान के बारे श्री मनोज कुमार ने बताया कि जब आज की बेटियाँ समृद्ध होंगी तभी होगा देश खुशहाल क्योंकि बेटियाँ देश का भविष्य है और राष्ट्र निर्माण में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। भारत सरकार के अभियान श्वेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ के अन्तर्गत हम सभी लोगों का दायित्व है कि बेटियों के भविष्य को संवारने के लिए एक सार्थक कदम उठाएं। बेटियां ही 21 वीं सदी में हमारे देश का भविष्य हैं। साथ ही यह भी कहा कि भारत सरकार द्वारा नारी सशक्तिकरण की दिशा में तमाम महत्वपूर्ण योजनाएँ चलायी जा रही हैं। इसी क्रम में डाकघरों में सुकन्या समृद्धि योजना में धन जमा करने से माँ–बाप अपनी बेटी के भविष्य को संवारने में अहम भूमिका निमायेंगे। इससे बेटियों को आर्थिक व सामाजिक रूप से भविष्य में मजबूत किया जा सकता है कन्या भ्रूण हत्या रोकने, महिला सशक्तिकरण, उच्च शिक्षा में सुकन्या समृद्धि योजना राष्ट्र निर्माण में सहायक होगी। इस दौरान यह भी बताया कि सुकन्या समृद्धि योजना की शुरुआत रू० 250 करके सिर्फ 15 वर्षों तक कभी भी कितना भी धन जमा किया जा सकता है परन्तु 1.50 लाख सालाना से अधिक न हो स यही छोटी छोटी रकम 15 वर्ष जमा करके 21 वर्ष पर अधिक ६।न एकत्र करके भुगतान लिया जा सकता है।प्समृद्धि सुकन्या–समृद्ध समाजक अभियान का मुख्य उद्देश्य सभी बेटियों को आर्थिक मजबूती देना है।

एयरपोर्ट पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने किया विनोद तावड़े का स्वागत

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े के अयोध्या आगमन पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया।इस दौरान पार्टी के अन्य पदाधि



कारी एवं कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। विनोद तावड़े अपने अयोध्या प्रवास के दौरान भारतीय जनता पार्टी की विभिन्न संगठनात्मक बैठकों में भाग लेंगे।इन बैठकों में संगठन की गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और पार्टी की रणनीति से जुड़े विषयों पर चर्चा होने की संभावना है।साथ ही संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बढ़ाने तथा पार्टी की भावी योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे विषयों पर भी विचार–विमर्श किया गया।एयरपोर्ट पर स्वागत के दौरान विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने विनोद तावड़े का अभिनंदन किया। उनके अयोध्या प्रवास को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया।

जीजीआई कदा 11 की छात्रा लक्ष्मी चौरसिया बनी एक दिन के लिए बनी डीआईओएस

अयोध्या।मिशन शक्ति अभियान के तहत जीजीआईसी की छात्रा 11 की छात्रा लक्ष्मी चौरसिया डीआईओएस कार्यालय आकर 1 दिन के लिए डीआईओएस बनी।इस मौके पर सबसे पहले डीआईओएस डॉक्टर पवन कुमार तिवारी ने अपने कार्यालय के कर्मचारियों के साथ एक दिन के लिए डीआईओएस बनी छात्रा लक्ष्मी चौरसिया को पुष्प कुछ देकर स्वागत किया।इस मौके पर जब लक्ष्मी चौरसिया ने वहां पर खासकर विभिन्न पटलों को देख रहे लिपिक से बातचीत कर अभिलेखों का निरीक्षण कर जानकारी हासिल किया।उन्होंने डीआईओएस कार्यालय के सभी पटलों व कक्ष का निरीक्षण किया।इस मौके पर जीजीआईसी की प्रधानाचार्य कुसुम लता, कालेज की मिशन शक्ति नोडल प्रभारी अनीता कनौजिया के अलावा कार्यालय के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।



साम्न्ध हिन्दी दैनिक	देश की उपासना
स्वात्वाधिकारी में, प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मो0 – 7007415808, 9415034002 Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com	समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।